भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
07.08.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2347 का उत्तर

भारतीय रेल पर ऋण अदायगी का बोझ

2347. श्रीमती रंजीत रंजन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान भारतीय रेल की कुल बकाया देनदारियों/ ऋण का ब्यौरा क्या है तथा प्रत्येक उधार स्रोत के अन्तर्गत देय राशि का वर्ष-वार और स्रोत-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान भारतीय रेलवे द्वारा लिए गए उधारों पर अर्जित ब्याज का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पाँच वर्षों के दौरान भारतीय रेल द्वारा ऋण अदायगी पर किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है, जिसमें मूलधन पुनर्भुगतान एवं ब्याज भुगतान को वर्ष-वार पृथक-पृथक दर्शाया गया हो; और

(घ) क्या भारतीय रेल का ऋण अदायगी दायित्व उसके कुल पूंजीगत व्यय एवं राजस्व व्यय के अनुपात में बढ़ा है, और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) भारतीय रेल की बाजार से ऋण लेने वाली समर्पित शाखा है। इसका मुख्य कार्य चल स्टॉक परिसंपत्तियों, रेल अवसंरचना परियोजनाओं का वित्तपोषण करना और उन्हें भारतीय रेल को पट्टे पर देना है। इसके अलावा, आईआरएफसी के पास अन्य संस्थाओं, जिनका रेलवे से फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक होता है, जैसे कि विद्युत उत्पादन और संचारण, खनन, ईंधन, कोयला, भंडारण, दूरसंचार, होटल और खानपान आदि को ऋण देने का अधिकार है।

बहरहाल, हाल के वर्षों में भारत सरकार ने रेल मंत्रालय को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) से पर्याप्त सहयोग दिया है जिसका उपयोग उन अवसंरचना परियोजनाओं और चल स्टॉक के लिए किया गया है जो पहले अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (ईबीआर) के माध्यम से वित्तपोषित किए गए थे।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारतीय रेल द्वारा आईआरएफसी और वित्त मंत्रालय को मूलधन की चुकौती और पट्टे प्रभारों के ब्याज भुगतान का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

वित्त वर्ष	मूलधन की चुकौती	ब्याज भुगतान	कुल
2021-22	14,192	14,510	28,702
2022-23	16,922	17,267	34,189
2023-24	20,084	17,946	38,030
2024-25	23,938	21,630	45,568
2025-26	24,853	21,685	46,538

कोविड की स्थिति के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में ऋण की अदायगी स्थिर हो गई है।

******